संक्षेप में

बलरामपुर चीनी मिल्स ने जुटाई इक्विटी पूंजी

बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश में लैक्टोजिप्सम प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने और पॉली लैक्टिक एसिड (पीएलए) सुविधा के लिए बढ़े हुए पूंजीगत व्यय को पूरा करने के लिए 450 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी जुटाई है। कंपनी की उत्तर प्रदेश में 10 चीनी मिलें हैं, जिनकी कुल गन्ना पेराई क्षमता 80,000 टन प्रतिदिन है। कोलकाता स्थित बलरामपुर चीनी ने बायो प्लास्टिक व्यवसाय में कदम रखा है और वह उत्तर प्रदेश के कुंभी में 80,000 टन की वार्षिक क्षमता वाला एक पीएलए विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है। बलरामपुर चीनी की कार्यकारी निदेशक अवंतिका सरावगी ने बताया, 'हमने कंपनी की विस्तार और वृद्धि योजनाओं को गति देने के लिए तरजीही शेयरों के जरिये 450 करोड़ रुपये जुटाए हैं।' उन्होंने बताया कि प्रवर्तकों ने भी इसमें हिस्सा लिया और लगभग 200 करोड़ रुपये का निवेश किया। *भाषा*

एलटीटीएस के सीईओ का वेतन 17 प्रतिशत घटा

एलऐंडटी टेक्नॉलजीज सर्विसेज (एलटीटीएस) की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी के मुख्य कार्य अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक अमित चड्ढा को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल 14.96 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक या वेतन और भत्ते मिले हैं। यह राशि इससे पिछले साल की तुलना में 17.4 प्रतिशत कम है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए चड्ढा के पारिश्रमिक में 5.77 करोड़ रुपये का मूल वेतन, 2.62 करोड़ रुपये का कमीशन और 1.68 करोड़ रुपये का परिवर्तनशील वेतन शामिल था। इसके अतिरिक्त, उन्हें पिछले कई वर्षों में दिए गए कर्मचारी शेयर स्वामित्व योजना से संबंधित अनुलाभ के रूप में 4.88 करोड़ रुपये मिले। वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया कि चड्ढा के पारिश्रमिक का भुगतान अमेरिकी डॉलर में किया गया। कुल वेतन में दो अंक की गिरावट के बावजूद सीईओ का पारिश्रमिक एलटीटीएस कर्मचारियों के औसत पारिश्रमिक का 147.63 गुना था। कंपनी के कर्मचारियों का औसत वेतन 31 मार्च, 2026 तक 10.1 लाख रुपये था, जिसमें समीक्षाधीन वित्त वर्ष के दौरान 3.91 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। *भाषा*

पिडिलाइट इंडस्ट्रीज दाम बढ़ाने की तैयारी में

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण कच्चे माल की कीमतों में आई तेजी के बीच एडहेसिव (चिपकाने वाले उत्पाद) और निर्माण रसायन बनाने वाली कंपनी पिडिलाइट इंडस्ट्रीज कीमतों में एक और दौर की वृद्धि पर विचार कर रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक सुधांशु वत्स ने यह जानकारी दी। फेविकोल, डॉ. फिक्सिट, फेवीक्विक और एम-सील जैसे ब्रांड की मालिक कंपनी अप्रैल और मई में पहले ही दो बार कीमतें बढ़ा चुकी है। वत्स ने कंपनी के तिमाही नतीजों की घोषणा के बाद संवाददाताओं से कहा कि कंपनी के कच्चे माल की लागत, जो मुख्य रूप से कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों पर आधारित है, पश्चिम एशिया संकट के कारण भारित औसत आधार पर 40-50 प्रतिशत तक बढ़ गई है। उन्होंने कहा, 'पश्चिम एशिया संकट का असर हमारे कारोबार पर भी पड़ा है। यह तिमाही के आखिर में आया, इसलिए उसका असर आंकड़ों में ज्यादा नहीं दिखा, लेकिन आगे कच्चे माल की कीमतें बढ़ी हैं।' *भाषा*

खाड़ी की लड़ाई ने बढ़ाई वाहन उद्योग की कठिनाई

वाहन आपूर्ति हो रही प्रभावित

अंजलि सिंह
मुंबई, 10 मई

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच कच्चे माल की महंगाई फिर से बढ़ने लगी है। इस कारण दोपहिया वाहन कंपनियों ने कीमतें बढ़ानी शुरू कर दी हैं। कमोडिटी, लॉजिस्टिक्स और सप्लाई-चेन की ऊंची लागत का असर अब उनके मुनाफे और मांग परिदृश्य पर पड़ने लगा है।

पश्चिम एशिया संकट के कारण भारत की वाहन आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं आने लगी हैं। तिमाही परिणामों की हाल की घोषणाओं के दौरान वाहन कंपनियों ने कमोडिटी की बढ़ती कीमतों, लॉजिस्टिक्स की बाधाओं, माल की कमी और उपभोक्ता मांग पर दबाव को लेकर चिंता जताई है।

दोपहिया बाजार की कंपनियों ने बताया कि इसका असर अब कच्चे तेल की कीमतों के अलावा धातुओं, इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों, बैटरी मैटेरियल और निर्यात लॉजिस्टिक्स पर भी पड़ रहा है।

बजाज ऑटो ने कहा कि इस संघर्ष की वजह से कामकाज के माहौल में 'बड़ा बदलाव' आया है, खासकर निर्यात और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े काम प्रभावित हुए हैं। कंपनी ने बताया कि महंगाई का दबाव और विदेश में लॉजिस्टिक्स में दिक्कतों की वजह से गाड़ियों की डिलिवरी और बाजार की मांग पर असर पड़ना शुरू हो गया है। यह असर खासकर उन सेगमेंट में है, जहां कीमतें बहुत मायने रखती हैं।

बजाज ऑटो के कार्यकारी निदेशक राकेश शर्मा ने कंपनी की अर्निंग कॉल के दौरान कहा, 'अप्रैल में आम महंगाई, हमारे वाहनों की बढ़ी हुई कीमतों, तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की किल्लत, मजदूरों के पलायन जैसे कारणों से ग्राहकों के मूड पर असर पड़ा जिससे मांग परिदृश्य नरम पड़ गया।'

बजाज ऑटो ने यह भी चेतावनी दी कि मांग में नरमी के अलावा कमोडिटी की बढ़ती कीमतें भी आने वाली तिमाहियों में मार्जिन पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती हैं।

इसी तरह, हीरो मोटोकॉर्प ने भी पश्चिम एशिया की घटनाओं के कारण बढ़ती व्यापक आर्थिक अनिश्चितता पर चिंता जताई है। कंपनी ने कहा कि कमोडिटी और ऊर्जा की बढ़ती कीमतें पूरे वाहन क्षेत्र में उत्पादन लागत को प्रभावित करने लगी हैं।

ईवी नीतिः सायम को चाहिए और वक्त

सुरजीत दास गुप्ता
नई दिल्ली, 10 मई

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) दिल्ली सरकार से ईवी नीति के मसौदे पर जवाब देने के लिए और समय मांगने की योजना बना रही है। इसकी समय-सीमा 10 मई थी। इस संगठन सायम का मानना है कि इस मले पर वह किसी आम राय पर नहीं पहुंच पाया है कि राज्य के उस विवादित प्रस्ताव पर क्या रुख अपनाया जाए, जिसमें 1 जनवरी 2027 से सीएनजी तिपहिया वाहनों का पंजीकरण बंद करने और सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहनों को अनुमति देने की बात कही गई है।

घटनाक्रम से अवगत सूत्रों के अनुसार सायम की 3-व्हीलर सीईओ काउंसिल ने पहले एक पत्र का मसौदा तैयार किया था। इसमें इस मुद्दे पर तटस्थ रुख अपनाने का निर्णय लिया गया था। शुरू में विरोध करने के बाद महिंद्रा ऐंड महिंद्रा ने भी अंततः इस निर्णय का समर्थन किया था। लेकिन कल कंपनी ने एक और संदेश भेजा, जिसमें उसने इस मुद्दे पर सीईओ काउंसिल की ओर से तैयार मसौदा पत्र को स्वीकार करने में असमर्थता जताई। भारत और दिल्ली में सीएनजी तिपहिया वाहनों के बाजार पर दबदबा रखने वाली बजाज ऑटो का मानना है कि सरकार को दोहरे मापदंड नहीं अपनाने चाहिए। लेकिन अगर ऐसा ही है, तो उसे सभी सेगमेंट (यात्री कारों, ट्रकों और यहां तक कि कमर्शियल वाहनों) में भी सीएनजी पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा देना चाहिए।

अड्डा247 ने 20% से ज्यादा कर्मियों को निकाला

उदिशा श्रीवास्तव
नई दिल्ली, 10 मई

छंटनी की गाज

- **नौकरी में कटौती के इस ताजा दौर से पहले कंपनी में लगभग 1,000 कर्मचारी थे**
- **प्रोडक्ट, डिजायन, कंटेंट, सीयूईटी और यूपीएससी तथा न्यायिक परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले टीचिंग स्टाफ पर पड़ा इस छंटनी का असर**

अड्डा247 के गुरुग्राम स्थित कार्यालय में 30 अप्रैल की सुबह कुछ असहज महसूस हुई। काम पर पहुंचे कर्मचारियों ने पाया कि परिसर में बाउंसर तैनात थे, जबकि कुछ केबिन मानव संसाधन टीम के साथ बंद दरवाजों के पीछे होने वाली बैठकों के लिए अलग से बुक किए गए थे। दोपहर तक सभी मंजिलों पर यह बात फैल चुकी थी कि छंटनी चल रही है।

स्नेहा (बदला हुआ नाम) के लिए दिन घबराहट में बीता। इस घटना को देखने वाले कई कर्मचारियों के अनुसार, ऐसी ही एक बैठक से बाहर आने के कुछ ही मिनटों बाद प्रोडक्ट टीम की यह युवा कर्मचारी बेकाबू होकर रो पड़ी। बताया गया कि उसका ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ गया, वह बेहोश हो गई और एंबुलेंस बुलानी पड़ी। उसके एक करीबी व्यक्ति ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि स्नेहा (जो इस नौकरी के लिए करीब एक साल पहले दिल्ली आई थी) अपने परिवार में अकेली कमाने वाली सदस्य है। उस व्यक्ति ने कहा, उसकी आधी टीम को निकाल दिया गया है।

इस मामले की जानकारी रखने वाले कई सूत्रों के अनुसार गूगल और वेस्टब्रिज कैपिटल जैसी कंपनियों के समर्थन वाली घरेलू एड टेक कंपनी अड्डा247 ने 200 से ज्यादा कर्मचारियों, यानी अपने कुल कर्मचारियों में से लगभग 20 फीसदी को नौकरी से निकाल दिया है। नौकरी में कटौती के इस ताजा दौर से पहले कंपनी में लगभग 1,000 कर्मचारी थे। इस छंटनी का असर कई विभागों पर पड़ा है, जिनमें प्रोडक्ट, डिजायन, कंटेंट, सीयूईटी (कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) और यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) तथा न्यायिक परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले टीचिंग स्टाफ शामिल हैं। कई मौजूदा और पूर्व कर्मचारियों ने बताया कि यह कदम कुछ व्यावसायिक क्षेत्रों में धीमी वृद्धि के चलते लागत कम करने के मकसद से उठाया गया।

कम से कम तीन सूत्रों के अनुसार, छंटनी से कंपनी के वेतन खर्च में सालाना करीब 5 करोड़ रुपये बचाने में मदद मिल सकती है। कंपनी के अंदरूनी सूत्रों ने इन कटौतियों की वजह आंशिक रूप से स्टडीआईक्यू के ऑनलाइन बिजनेस वर्टिकल में घटती लोकप्रियता और कंपनी के कैश रनवे (नकद भंडार) को लेकर चिंताओं को बताया। कुछ कर्मचारियों का अनुमान है कि यह कैश रनवे एक साल से भी कम समय के लिए बचा है। मामले से परिचित लोगों ने बताया कि कई वरिष्ठ कर्मचारियों को भी नौकरी से निकाला गया है क्योंकि उनके जाने से सैलरी पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाएगा।

ऑफिस रीट ने आतिथ्य-सत्कार क्षेत्र में कदम रखा

ऑफिस रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (रीट) अब विविधता के बजाय एकीकृत कैंपस रणनीति के तहत अपने 'बिजनेस पार्क' पोर्टफोलियो में होटलों को शामिल कर रहे हैं। माइंडस्पेस रीट, एम्बेसी रीट और बागमाने रीट अपने ऑफिस तंत्र के भीतर आतिथ्य-सत्कार क्षेत्र की परिसंपत्तियों का विकास कर रहे हैं। इसका उद्देश्य कारोबारी यात्राओं, शीर्ष अधिकारियों के दौरों, ग्राहकों के जुड़ाव तथा कंपनियों के कार्यक्रमों के आयोजनों में मददगार बनना है।

माइंडस्पेस ने कहा कि उसने साझेदारी-आधारित मॉडल अपनाया है, जिसमें वे मुख्य ढांचा विकसित करते हैं, जबकि शैले होटल्स जैसे ऑपरेटर फिट-आउट और संचालन का प्रबंधन करते हैं, जिससे परिचालन जोखिम सीमित हो जाता है। एम्बेसी रीट ने 518 कमरों वाले अपने दो होटलों के लिए लगभग 940 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। उम्मीद है कि होटलों के स्थिर होने पर रीट की शुद्ध परिचालन आय में लगभग 250 करोड़ रुपये का योगदान मिलेगा। बागमाने ने होटलों के लिए नियोजित 3,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का 25 प्रतिशत आवंटित करने की योजना बनाई है। *बीएस*

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी उम्मीद बरकरार

देश का विलय और अधिग्रहण बाजार रहेगा दमदार : सिंघी

सुब्रत पांडा
मुंबई, 10 मई

स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के वैश्विक सह-प्रमुख (विलय और अधिग्रहण परामर्श) को उम्मीद है कि करीब 200 अरब डॉलर की सालाना रफ्तार से सौदों की गतिविधियां बरकरार रहेगी

भू-राजनीतिक परिदृश्य में असामान्य उथल-पुथल के बावजूद भारत का विलय और अधिग्रहण बाजार अपनी पकड़ कायम रखे हुए है। सौदों की गतिविधियां करीब 200 अरब डॉलर की सालाना रफ्तार से बरकरार रहने की उम्मीद है। यह देश में और विदेशी कंपनियों के साथ किए वाले सौदों के बीच मोटे तौर पर समान रूप से बंटी होगी। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के वैश्विक सह-प्रमुख (विलय और अधिग्रहण परामर्श) राजेश सिंघी ने यह जानकारी दी है।

सिंघी ने कहा कि वैश्विक विलय और अधिग्रहण का परिदृश्य 'दो हिस्सों की कहानी' की तरह है। अमेरिका और यूरोप में बड़े सौदे और घरेलू एकीकरण का दबदबा है। यहां रणनीतिक भागीदार धीरे-धीरे उन वित्तीय प्रायोजकों की जगह ले रहे हैं, जो हाल के वर्षों में प्रमुख ताकत थे। भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया और पश्चिम एशिया में ऊर्जा बदलाव और बुनियादी ढांचा मुख्य शक्ति के रूप में उभर रहे हैं।

सिंघी के बताए सबसे उल्लेखनीय बदलावों में से एक था विदेश में भारतीय कंपनियों की ओर से किए जाने वाले अधिग्रहणों में तेजी। हाल में घोषित सन फार्मा के विदेशी अधिग्रहण को किसी भी भारतीय कंपनी के अब तक के सबसे बड़े अधिग्रहणों में से एक बताया जा रहा है और इसे इस नई रुचि का प्रमुख संकेत माना जा रहा है।

सिंघी के अनुसार इसे तीन कारक बढ़ावा दे रहे हैं। तेजी से विकसित हो रहे विनिर्माण और औद्योगिक परिदृश्य में प्रौद्योगिकी तक पहुंच, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन, जिसमें देश और विदेश में आंतरिक गतिविधियां अब चक्रीय के बजाय संरचनात्मक रुझान बन गई हैं। यह तथ्य कि कुछ भारतीय कंपनियां घरेलू विकास में नरमी का सामना करते हुए ऐतिहासिक विस्तार की अपनी रफ्तार बनाए रखने के लिए भारत से बाहर की ओर रुख कर रही हैं। इसके लिए उनके पास ऐसी बैलेंस शीट है, जो 'शायद अब तक के सर्वश्रेष्ठ स्तर' पर है। सक्रिय विदेशी सौदों में रुचि वाले क्षेत्रों में दवा, स्वास्थ्य सेवा, इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण सेवाएं (ईएमएस) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शामिल हैं।

देश के भीतर वित्तीय सेवाएं खासी विदेशी रणनीतिक रुचि को लगातार आकर्षित कर रही हैं। सिंघी ने एमिरेट्स एनबीडी-आरबीएल बैंक सौदे को रणनीतिक कदम बताया, जो आम तौर पर सॉवरिन वेल्थ फंडों के पोर्टफोलियो निवेश से अलग है। पश्चिम एशियाई निवेशकों के लिए भारत अक्सर अमेरिका और यूरोप के बाहर सबसे सक्रिय बाजार के रूप में शुमार होता है। वे भारत में लगातार बड़े निवेशक रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अगर आप किसी देश में निवेश पर विचार कर रहे हैं, तो वित्तीय सेवाएं शायद ऐसा सबसे अच्छा विकल्प हैं, जिससे आप जीडीपी वृद्धि हासिल कर सकते हैं।'

एयर इंडिया ने 3 साल में 1,000 से अधिक कर्मचारियों को निकाला

टाटा समूह की एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने पिछले तीन साल में नैतिकता संबंधी मुद्दों के उल्लंघन के मामलों में 1,000 से अधिक कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त की हैं। कंपनी के मुख्य कार्य अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने शुक्रवार को कर्मचारियों के साथ आयोजित टाउनहॉल बैठक में कहा कि हर वर्ष सैकड़ों कर्मचारियों को नियमों के उल्लंघन के कारण हटाया जाता है। उन्होंने कर्मचारियों से सही आचरण बनाए रखने की अपील भी की। सूत्रों के अनुसार, विल्सन ने कहा कि हटाए गए कर्मचारियों में ऐसे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने विमान से सामान की तस्करी की या अतिरिक्त सामान को बिना शुल्क विमान में ले जाने की अनुमति दी। उन्होंने कर्मचारी अवकाश यात्रा प्रणाली (ईएलटी) के दुरुपयोग का भी उल्लेख किया। सूत्रों ने मार्च में बताया था कि एयर इंडिया ने अपनी अवकाश यात्रा नीति के उपयोग में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं पकड़ी थीं। *भाषा*

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक
Indian Overseas Bank
आपकी प्रगति का सच्चा साथी Good people to grow with
विपणन और विकास विभाग
केंद्रीय कार्यालय : 763, अण्णा सालै, चेन्नै – 600 002

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक, अपने ग्राहकों को विभिन्न स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान करने हेतु अग्रणी स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा कंपनियों से 'प्रस्ताव के लिए अनुरोध' (आरएफपी) आमंत्रित करता है ।

निविदा का विवरण www.iob.bank.in पर 'निविदा' अनुभाग के अंतर्गत और बैंक की ई-निविदा वेबसाइट https://iobtenders.auctiontiger.net पर प्राप्त कर सकते हैं ।

प्रस्ताव प्राप्त करने की अंतिम तिथि व समय : 08.06.2026 को शाम 5.00 बजे तक

महा प्रबंधक
(विपणन व विकास विभाग)
11.05.2026

छोटे शहरों के विक्रेताओं की एआई से बड़ी मदद कर रही फ्लिपकार्ट

पीरजादा अबरार
बेंगलूरु, 10 मई

फ्लिपकार्ट देश के छोटे शहरों के विक्रेताओं को देशभर में विस्तार में मदद करने के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) टूल्स का उपयोग कर रही है। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाला यह ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अपने 14 लाख विक्रेताओं को सशक्त बनाकर अपनी बाजार स्थिति को मजबूत करने के लिए प्रयासरत है। कंपनी आईपीओ से पहले ऐसा कर रही है। कंपनी ने एआई-संचालित ऐसे डैशबोर्ड बनाए हैं, जो हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में तत्काल सहायता देते हैं। इससे छोटे शहरों के विक्रेताओं को मांग का पूर्वानुमान, मूल्य निर्धारण संबंधी जानकारी और रुझानों के विश्लेषण तक पहुंच मिलती है। यह पहले उनके कारोबार के लिए उपलब्ध नहीं थे। अब विक्रेता वॉयस-एनेबल्ड प्रणाली से पूछ सकते हैं कि क्या बनाना है, कब स्टॉक तैयार करना है और उत्पादों का मूल्य निर्धारण कैसे करना है। फ्लिपकार्ट के मार्केटप्लेस और किराना प्रमुख के अनुसार इस मार्गदर्शन से कुछ कारोबारियों को हफ्तों के भीतर ही अपना स्तर बढ़ाने में मदद मिली है।

यह प्रयास भारतीय ई-कॉमर्स में व्यापक संरचनात्मक बदलाव दर्शाता है। गूगल और डेलॉयट की रिपोर्ट के अनुसार यह उद्योग मौजूदा 90 अरब डॉलर से बढ़कर साल 2030 तक 250 अरब डॉलर के अनुमानित बाजार की ओर बढ़ रहा है। यह वृद्धि महानगरों से नहीं, बल्कि उन मझोले और छोटे शहरों की तेजी की बदौलत है, जहां पहली बार के उद्यमी और कारीगर देशव्यापी पहुंच के साथ डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड बना रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई इस यात्रा में अहम कारक होगा, क्योंकि एल्गोरिदम संचालन को सुव्यवस्थित करके और खरीदारों के निर्णय लेने को सरल बनाकर खरीदारों की मांग को अत्यधिक व्यक्तिगत बना देता है।

कीमतें बढ़ाने की तैयारी में एफएमसीजी कंपनियां

भाषा
नई दिल्ली, 10 मई

रोजमर्रा के इस्तेमाल का सामान महंगा होने के दिख रहे आसार

कच्चे तेल से जुड़ी महंगाई, पैकेजिंग सामग्री और ईंधन लागत में बढ़ोतरी के बीच साबुन, डिटर्जेंट, बिस्किट, पैकेट बंद खाद्य पदार्थ और पेय उत्पादों की कीमतें बढ़ सकती हैं। रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) देश की प्रमुख कंपनियां बढ़ती लागत से मुनाफे पर पड़ रहे दबाव को कम करने के लिए चरणबद्ध तरीके से दाम बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं।

एफएमसीजी कंपनियों के अधिकारियों ने हालिया तिमाही नतीजों के दौरान संकेत दिया है कि वे पहले ही तीन से पांच प्रतिशत तक कीमतें बढ़ा चुकी हैं और लागत का दबाव जारी रहने पर आगे भी मूल्य वृद्धि की जा सकती है। कंपनियों का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है, जिससे कच्चे माल, लॉजिस्टिक्स और पैकेजिंग लागत बढ़ी है। रुपये में कमजोरी ने भी दबाव बढ़ाया है। इसका असर खाद्य उत्पादों, व्यक्तिगत देखभाल, पेय पदार्थ और घरेलू उपयोग के सामान सहित कई क्षेत्रों पर दिखाई दे रहा है। कंपनियां मुनाफा बनाए रखने के लिए कीमतें बढ़ाने के साथ पैकेट बंद उत्पादों में मात्रा कम करने की रणनीति भी अपना रही हैं। हालांकि पांच, 10 और 15 रुपये वाले छोटे पैक बाजार में बनाए रखने की कोशिश की जा रही है ताकि बिक्री पर असर कम पड़े।

कंपनियां लागत कम करने के लिए छूट और प्रचार खर्चों में कटौती, भंडार प्रबंधन को मजबूत करने और आपूर्ति श्रृंखला को अधिक कुशल बनाने जैसे कदम उठा रही हैं। इसके बावजूद उपभोक्ताओं पर बढ़ती लागत का कुछ बोझ पड़ने की संभावना है।

डाबर इंडिया के वैश्विक मुख्य कार्य अधिकारी मोहित मल्होत्रा ने कहा कि कंपनी इस वित्त वर्ष में करीब 10 प्रतिशत महंगाई का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई के प्रभाव को कम करने के लिए कंपनी विभिन्न कारोबार खंडों में औसतन चार प्रतिशत तक कीमतें बढ़ा चुकी है और लागत नियंत्रण के उपाय भी कर रही है।

ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने भी संकेत दिया है कि ईंधन और पैकेजिंग लागत में करीब 20 प्रतिशत वृद्धि के कारण जल्द ही कीमतें बढ़ाई जा सकती हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्य अधिकारी रक्षित हरगेव ने कहा कि कंपनी सीधे दाम बढ़ाने और पैक के वजन में कमी, दोनों विकल्पों पर विचार कर रही है। ब्रिटानिया के पास गुड डे, मेरी गोल्ड, मिल्क बिकीज और टाइगर जैसे ब्रांड हैं। उन्होंने कहा कि बड़े पैक वाले उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी की जाएगी।

pnb Housing
Finance Limited
Ghar Ki Baat

परिशिष्ट–IV-A अचल संपत्ति/यों हेतु ई–नीलामी सार्वजनिक बिक्री सूचना
वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 और प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के सहपठित नियम 8(6) के प्रावधान के तहत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु विक्रय ई–नीलामी सूचना
पंजीकृत कार्यालय : 9वां तल, अन्तरिक्ष भवन, 22, के.जी. मार्ग, नई दिल्ली–110001, फोन नं. 011–23357171, 23357172, 23705414,, वेबसाइट : www.pnbhousing.com
शाखा कार्यालय : दूसरा तल, टी के कॉर्पोरेट टॉवर्स, मैन रोड, बिस्तपुर, जमशेदपुर, झारकंड–831001

एतद्द्वारा आम तौर पर जनता को और विशेष रूप से कॉलम नंबर–ए में इंगित उधारकर्ता(ओं) और गारंटर(ओं) को सूचना दी जाती है कि निम्न वर्णित अचल संपत्ति(यों) जो कॉलम नंबर–डी में वर्णित है प्रत्याभूत ऋणदाता को बंधक/प्रभारित हैं, जिसमें से रचनात्मक/भौतिक कब्जा (जैसा कि कॉलम नंबर–सी में वर्णित है) को **मैसर्स पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड** /प्रत्याभूत ऋणदाता के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को **''जो जहां है, जो है जैसा है, और वहां जो कुछ भी है आधार''** पर निम्न उल्लेखित विवरण के अनुसार बेचा जाएगा। एतद्द्वारा संबंधित उधारकर्ताओं/बंधककर्ता(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, (चाहे ज्ञात हो या अज्ञात), निष्पादक(ओं), प्रशासक(ओं), उत्तराधिकारी(ओं), संपत्तिभागि(यों) को सूचना दी जाती है चूंकि इस मामले को आज की दिनांक में संशोधित प्रतिभूतिहित प्रवर्तन नियमों के नियम–8(6) और 9 के तहत कॉलम संख्या–ए में दर्शाया जा सकता है। बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए कृपया **मैसर्स पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड / प्रत्याभूत ऋणदाता की वेबसाइट यानी www.pnbhousing.com** में दिए गए लिंक का संदर्भ लें।

ऋण सं./उधारकर्ता/सह–उधारकर्ता/गारंटर(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारी का नाम (A)	मांग राशि और दिनांक (B)	कब्जे का प्रकार (C)	बंधक संपत्तियों का विवरण (D)	आरक्षित मूल्य (आरपी) (E)	ईएमडी (आरपी का 10%) (F)	बोली प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक (G)	बोली वृद्धि मूल्य (H)	निरीक्षण की दिनांक और समय (I)	नीलामी की दिनांक और समय (J)	ज्ञात ऋण भार/न्यायालय मुकदमा अगर कोई है (K)
HOU/TATA/0119/638657 राकेश शर्मा , रियादेवी शाखा : टाटा नगर	रुपये 12,81,698.81/– दिनांक 09.07.2021 तक	भौतिक कब्जा	भूमि मापक क्षेत्र 3(तीन) काथास कम या ज्यादा आर.एस. प्लॉट सं. 601 उप प्लॉट सं. 601(ई) तिंहित अंतर्गत खाता सं. 69, स्थित ग्राम हेथु, थाना सं. 298, पी.एस. जगरनाथपुर, जिला रांची, झारखंड का संपूर्ण व सर्वांगीण भाग। सीमांकन निम्न प्रकार : उत्तर : 12' चौड़ी प्रस्तावित सड़क , दक्षिण:प्लॉट सं. 598 का हिस्सा, पूर्व : प्लॉट सं. 598 का हिस्सा, पश्चिम: प्लॉट सं. 601 का हिस्सा	रु. 15,41,000/–	रु. 1,54,100/–	27.05.2026	रु. 10,000/–	15.05.2026 पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 05:30 बजे के बीच	28.05.2026 अपराह्न 02:00 बजे से अपराह्न 03:00 बजे के बीच	ज्ञात नहीं

***आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क आदि भुगतान की दिनांक तक खर्च किए और/या वसूली के रूप में एक साथ लागू @18% वार्षिक भविष्य के ब्याज के साथ** पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी और सूचना में ऊपर वर्णित अचल/प्रत्याभूत परिसंपत्तियों के संबंध में कोई अन्य भार/दावा नहीं है, केवल कॉलम नंबर–के में उद्घाटित को छोड़कर। इसके अलावा सफल क्रेता/बोलीदाता द्वारा अपने द्वारा इस प्रकार की भार ओं को पूरा/भुगतान किया जाना चाहिए। संभावित क्रेता/बोलीदाताओं से अनुरोध किया जाता है कि वे उल्लेखित भार की सत्यता का स्वतंत्र रूप से पता लगाएं।**
(1) आज की दिनांक में, पीएनबीएचएफएल के प्राधिकृत अधिकारी को उरोक्त अचल संपत्तियों/प्रत्याभूत परिसंपत्तियों को बेचने, विमुख करने और/या निपटाने से कोई आदेश निरोधक और/या न्यायालय निषेधाज्ञा नहीं है। (2) संभावित क्रेता/बोलीदाता और इच्छुक पक्ष स्वतंत्र रूप से कार्यवाही/पारित आदेशों आदि में सिफारिश का निरीक्षण कर सकते हैं। यदि कोई हो, कॉलम नं. के में वर्णित है। जिसमें पीएनबीएचएफएल के पास उपलब्ध दस्तावेजों के शीर्षक के शीर्षक तक सीमित नहीं है और निविदा/बोली आवेदन पत्र जमा करने या प्रस्ताव(ओं) बनाने से पहले सभी मामलों में खुद की संतुष्टि कर लें। बोली लगाने वाले को बोली फॉर्म के साथ–साथ इस नीलामी के नियमों और शर्तों पर हस्ताक्षर करने होंगे। (3) कृपया ध्यान दें कि प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(3) के संदर्भ में, बोलीदाता(ओं)/क्रेता कानूनी रूप से बिक्री मूल्य की राशि का 25% जमा करने के लिए बाध्य है, (बयाना पैसे शामिल है, यदि कोई हो, जमा) एक ही दिन या अगले कार्य दिवस से बाद में नहीं। प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(2) के अनुसार प्रत्याभूत ऋणदाता द्वारा बिक्री मूल्य का 25% प्राप्त होने के बाद ही (बोलीदाता(ओं) के पक्ष में बिक्री कीपुष्टि की जा सकती है। बिक्री राशि का शेष 75% बिक्री पुष्टि पत्र की पावती की दिनांक से 15 दिनों के भीतर क्रेता द्वारा जमा किया जाना है और इस जमा के चूक में, संपत्ति/प्रत्याभूत परिसंपत्ति कीफिर से बेचा जाएगा। **(4) मैसर्स सी1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ई–नीलामी के माध्यम से बिक्री करने में प्राधिकृत अधिकारी की सहायता करेगा। जिसका कॉर्पोरेट कार्यालय: प्लॉट सं.68, तीसरा तल, सेक्टर 44, गुड़गांव, हरियाणा 122003, वेबसाइट–www.bankeautions.com संपत्ति के निरीक्षण या बोली दस्तावेज प्राप्त करने या किसी अन्य जानकारी या पंजीकरण से संबंधित किसी भी सहायता के लिए, आपको पीएनबीएचएचएफएल के प्राधिकृत अधिकारी इंद्र सेन यादव से टोल फ्री नं. 1800 120 8800, ईमेल: auction@pnbhousing.com के साथ समन्वय करना होगा या www.pnbhousing.com का संदर्भ लेना होगा।**

स्थान : टाटानगर दिनांक : 11.04.2026
हस्ता./– प्राधिकृत अधिकारी, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

कोलकाता संस्करण : बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक जय हरगोविंददास सरैया द्वारा सरस्वती प्रिंट फैक्टरी प्राइवेट लिमिटेड, 789, चौभागा वेस्ट, पोस्ट ऑफिस–तिलजला, कोलकाता–700105, प. बंगाल से मुद्रित एवं बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, सी/ओ एपीजे बिजनेस सेंटर, 15 पार्क स्ट्रीट, एपीजे हाउस, ब्लॉक–सी, 8वां तल, कोलकाता 700016, प. बंगाल से प्रकाशित। संपादक : कैलाश नौटियाल आरएनआई नं. WBHIN/2008/24333 पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं।

सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्स बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, एच/4, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, बिड़ला सेंचुरियन के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई–400013 ईमेल.. subs_bs@bsmail.in या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं